पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- जनवरी, 2023

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:

   अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/मामले आदि**:

   शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजन के लिए स्वीकृति के मामले**:

   शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:

   शून्य

5. **जारी स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**

   परिसर की सामान्य सफाई।

6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**

   मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**

   समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**

   इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एवीएमएस पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:

   इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. **माह के दौरान पास कर दिए गए एफडीआई प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :

    लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- सोमनाथ, गुजरात में इंकॉइस द्वारा एक वेव राइडर बुयो (डब्लूआरबी) तैनात किया गया। इस बुयो से एकत्रित जानकारी का उपयोग सौराष्ट्र के तट के लिए समुद्र के मौसम की स्थिति, ज्वार की प्रकृति और समुद्री धाराओं के बारे में सटीक जानकारी देने के लिए किया जाएगा।

- तटीय जल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी के लिए राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र (एनसीसीआर) द्वारा आरके समुद्र तट, विशाखापत्तनम में एक जल गुणवत्ता बुयो तैनात किया गया।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 जनवरी, 2023 को अपना 148वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड, श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश और श्री मनोज सिन्हा, माननीय उपराज्यपाल, जम्मू और कश्मीर ने अपने-अपने स्थान से विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाग लिया। डॉ. एम रविचंद्रन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में 4 डॉप्लर मौसम राडार (कश्मीर में बनिहाल, हिमाचल प्रदेश में मुरारी देवी और जोत और उत्तराखंड में सुरकंडा देवी) और 200 कृषि-मौसम विज्ञान स्वचालित मौसम केन्द्रों (एग्रो-एडब्ल्यूएस) सहित प्रेक्षण उपकरणों का उद्घाटन शामिल था।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग और आईआईटी, पटना के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केन्द्र (सीएमएलआरई) ने हिंद महासागर हंपबैक डॉल्फिन, सूसा प्लंबीया (जी कुवियर, 1829) के पूरे मिटोजेनोम के लक्षण वर्णन को सफलतापूर्वक पूरा किया। मध्य हिंद महासागर में संग्रहीत नमूनों के टैक्सोनॉमिक अध्ययन से पेलाजिक बासलेट मछली की एक नई प्रजाति, जिसका नाम बाथिसफायरेनोप्स राधे है, प्राप्त हुई।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए उपयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ई-मेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित	डेटा रिपोर्टिंग
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*453	--	453
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	**514	--	514
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	195
जीपीएस सोंडे आधारित आरएस/आरडब्ल्यू स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	***37	--	26
ओजोन (ओजोन सोंडे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	05
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	17
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम	25	--	19

(अथैलोमीटर)			
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	3113
विमानन	79	--	79
रेडिएशन स्टेशन	46	---	46

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 349 पुराने हैं।
** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 868 पुराने हैं।
*** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।
**** फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

जनवरी, 2023 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 26 जनवरी, 2023 को फरवरी, 2023 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी उपयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (2023 जनवरी)

क) माह के दौरान महत्वपूर्ण मौसम संबंधी घटनाएं

निम्न दबाव प्रणाली:

निचले क्षोभमंडल स्तरों में पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और उससे सटे दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से, 27 जनवरी, 2023 को एक निम्न दबाव क्षेत्र बना । इससे कोमोरिन और उससे सटे मन्नार की खाड़ी और श्रीलंका के पश्चिमी तट के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बना । इसके कारण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिट-पुट से लेकर व्यापक वर्षा/तूफान की गतिविधि हुई ।

शीत लहर:

महीने की पहली छमाही के दौरान उत्तर पश्चिम भारत और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में ठंडे दिन से लेकर गंभीर ठंड की स्थिति दर्ज की गई थी। महीने के पहले पखवाड़े के दौरान उत्तर पश्चिम भारत और मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति भी दर्ज की गई , जबकि राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में उस अवधि के दौरान दो से तीन बार न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया था।

पश्चिमी विक्षोभ:

महीने के दौरान लगभग छह पश्चिमी विक्षोभ और तीन प्रेरित चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र ने उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित किया था। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी वर्षा/बर्फबारी और छिटपुट ओलावृष्टि की सूचना मिली थी, जबकि इन घटनाओं के होने के दौरान मैदानी इलाकों में छिटपुट भारी वर्षा की सूचना मिली थी।

कोहरा:

महीने के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत और मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में घने से बहुत घना कोहरा दर्ज किया गया था; हालांकि, महीने के दूसरे पखवाड़े के दौरान कोहरे का स्थानिक वितरण, तीव्रता और अवधि काफी कम हो गई थी।

ख) वर्षा परिदृश्य :

पूरे देश में जनवरी-2023 माह में वर्षा 14.8 मिमी दर्ज की गई है, जो 17.1 मिमी के दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 87% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएँ:

जारी की गई चेतावनी	भारी/बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (>64.4 मिमी): 330
	वर्षा के लिए सही प्रतिशत (% में)> 64.4 मिमी
दिन 1 / 24 घंटे	98
दिन 2 / 48 घंटे	98
दिन 3 / 72 घंटे	98

घ) तापमान परिदृश्य :

पूरे देश के लिए जनवरी-2023 के महीने का औसत तापमान 19.87 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से +0.23 डिग्री सेल्सियस अधिक था। 29 जनवरी 2023 को कन्नूर (केरल और माहे) में अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 17 जनवरी 2023 को चुरू (पश्चिमी राजस्थान) में न्यूनतम तापमान -2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

ङ) आंधी और ओलावृष्टि की घटनाएँ : महीने के दौरान (महीने की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 0830 बजे तक) आंधी और ओलावृष्टि की घटनाएँ नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	क्षेत्र	गरजने वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएँ	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आँधी
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	02	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	11	शून्य	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	01	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	00	शून्य	शून्य	शून्य
5.	मध्य भारत	04	शून्य	शून्य	शून्य
6.	पश्चिम भारत	02	शून्य	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/चेतावनियां/प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारतीय बहु-जोखिम शीतकालीन मौसम चेतावनी बुलेटिन -31, दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक: - 29, विस्तारित अवधि आउटलुक: - 4, मछुआरों को चेतावनी: 31, वैश्विक समुद्री सुरक्षा समर्थन प्रणाली के तहत समुद्री क्षेत्र की चेतावनी: 62, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर बने अवदाब के संबंध में केंद्रीय और राज्य स्तर की आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय बुलेटिन: 19, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)/श्रीलंका सहित एशिया पेसिफिक आर्थिक और सामाजिक आयोग के पैनल सदस्य देशोंके लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र बुलेटिन: 19, अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन: - 124, अखिल भारतीय अनुमान और प्रतिकूल मौसम की चेतावनी: - 124, अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: - 4, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम के तहत दैनिक दिशानिर्देश: 31, अगले 5 दिनों के लिए दक्षिण एशियाई देशों के लिए भारी बारिश, तेज हवाओं, ऊंची लहरों और तूफान के बारे में प्रतिकूल मौसम दिशानिर्देश: 31, प्रतिकूल मौसम के लिए तत्काल दिशानिर्देश बुलेटिन: - 31, भारतीय नौसेना के बेड़े का पूर्वानुमान: 62, माह के दौरान प्रेस विज्ञप्तियां जारी की गईं:- 35.

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें:

1. 15 जनवरी 2023 को भारत मौसम विज्ञान विभाग स्थापना दिवस पर "भारत में वेधशालाओं के पेंटाड नॉर्मल 1991-2020" शीर्षक से प्रकाशन जारी किया गया।
2. 15 जनवरी 2023 को भारत मौसम विज्ञान विभाग स्थापना दिवस पर "पर्यवेक्षकों को निर्देश" नामक प्रकाशन जारी किया गया था।
3. जनवरी 2022 के महीने के लिए अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) बुलेटिन और जनवरी से अप्रैल 2023 की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए। (त्वरित लिंक: www.imdpune.gov.in/ Clim_Pred_LRF_New /Products.html)
4. 4 जनवरी 2023 को दिसंबर 2022 के महीने के लिए जलवायु सारांश पर प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई ।

भूकंपीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण प्रकार	अब तक स्थापित	महीने के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपीय केंद्र	152	130

भूकंप और सुनामी निगरानी

भूकंप : भारतीय क्षेत्र में 112 भूकंपों की निगरानी की गई, जिनमें से 6 भूकंप 5.0 तीव्रता से अधिक के थे।

सुनामी : माह के दौरान सूनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 2 समुद्र तलीय भूकंप (M>6) आये। यह सूचना भूकंप आने के 12 मिनट के अंदर प्रदान की गई।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	माह के दौरान शुरु किए गए	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स*	80	51
मूरेड बुयो	19	9
टाइड गोज	36	29
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	12	10
एक्वास्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	2
वेव राइडर बुयो	16	13

समुद्री विज्ञान सेवाएं

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	माह के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यSSTन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिकाएं (समुद्री सतह तापमान (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	31
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	21
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) लहरें, पवन,धाराएं, एसएसटी(समुद्र सतह का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

<u>आउटरीच एवं जागरुकता</u>

- दिनांक 16 से 20 जनवरी 2023 के दौरान भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ने पैलियोक्लाइमेट - आर्काइव, प्रॉक्सी, तथा एनालिसिस / मेजरमेंट टेक्निक (NT-PALEO 2023) सम्बन्धी राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। इसे BIMSTEC (बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल एवं भूटान) राष्ट्रों के संस्थान में लाइव स्ट्रीम किया गया था। इस कार्यशाला में लगभग 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- दिनांक 30, जनवरी 2023 को IITM द्वारा हाइब्रिड मोड में स्टेकहोल्डर इंगेजमेंट वर्कशॉप ऑन सब-सीजनल प्रिडिक्शन संचालित किया गया। इसमें 65 प्रतिभागी शमिल हुए (25 ऑनलाइन समेत)। इस कार्यशाला का उद्देश्य कृषि, स्वास्थ्य, बिजली, हाइड्रोइलेक्ट्रिसिटी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वानुमान उत्पादों के उपयोग को बढ़ाना है।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों ने दिनांक 21-24 जनवरी 2023 के दौरान भोपाल में 8वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) - 2022 मेगा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी (एक्सपो) में भाग लिया।
- 26 जनवरी 2023 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी संस्थानों में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।
- राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NCMRWF), को आगामी कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई। एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत के अस्तित्व के छह दशकों में प्राप्त भारतीय विकासात्मक अनुभव को साझा करने के लिए ITEC के तहत, एशिया, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका, कैरिबियन के साथ-साथ प्रशांत और छोटे द्वीप देशों के 161 देशों को आमंत्रित किया गया।
- नौसेना समुद्र विज्ञान और मौसम विज्ञान निदेशालय (DNOM) के अनुरोध पर, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NCMRWF) ने 74वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस और बीटिंग रिट्रीट परेड के लिए मौसम पूर्वानुमान (19 जनवरी से) प्रदान किया।
- इंकॉइस और राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान (NIDM, गृह मंत्रालय) ने दिनांक 26 दिसंबर 2022 को 2004 की हिंद महासागर सूनामी के 18वीं वर्ष के अवसर पर "सुनामी जागरूकता और तैयारी" पर एक विशेषज्ञ-वेबिनार का आयोजन किया।
- दिनांक 10 जनवरी, 2023 को, इंकॉइस ने केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से, वेरावल, गुजरात में मछुआरों और स्थानीय समुदाय के लिए एक क्षेत्रीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

- इंकॉइस ने केरल मत्स्यपालन एवं महासागर अध्ययन विश्वद्यालय के साथ मिलकर दिनांक 17-19 जनवरी 2023 के दौरान केरल में तीन उपयोगकर्ता संवाद बैठकें आयोजित कीं। मछुआरों को संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र परामर्शिकाएं और समुद्री दशा पूर्वानुमान से सम्बन्धित नई सेवाओं के लाभों से परिचित कराया गया।
- गहरे समुद्र प्रौद्योगिकी में भविष्य की संभावनाओं के लिए भारतीय उद्योगों को संवेदनशील बनाने के लिए दिनांक 27 जनवरी 2023 को NIOT में गहरे समुद्र में खनन की संभावनाओं पर एक ज्ञान कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- एनआईओटी द्वारा दिनांक 20 जनवरी, 2023 को ऊर्जा और मीठे पानी, विलवणीकरण और तटीय अभियांत्रिकी के क्षेत्र में एनआईओटी द्वारा किए गए नवाचारी अनुसंधान कार्य और प्रदर्शन के क्षेत्रों में संभावित प्रौद्योगिकी सहयोग/विकास पर चर्चा करने के लिए एक उद्योगजगत और अकादमिक जगत की संवाद कार्यशाला आयोजित की गई।
- दिनांक 2-14 जनवरी, 2023 के दौरान कर्नाटक के कुम्ता में मछुआरों के स्वयं सहायता समूह के लिए ओपेन सी केज कल्चर का प्रशिक्षण और प्रदर्शन आयोजित किया गया।
- दिनांक 10 जनवरी 2023 को "तमिलनाडु के लिए मैरी स्पैटियन प्लानिंग" संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एनसीसीआर और लोक निर्माण राजमार्ग मंत्रालय और लघु बंदरगाह विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्य सरकारों के विभागों और संस्थानों के 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- एनसीसीआर द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 2023 को बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा में "समुद्री पर्यावरण में प्लास्टिक" विषय पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई।
- एनसीसीआर द्वारा दिनांक 18-20 जनवरी 2023 के दौरान थूथुकुडी के मछुआरा समुदाय के लिए "तमिलनाडु के लिए मैरीन स्पैटियल प्लानिंग की दिशा में हमारे तट की मैपिंग" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 60 से अधिक प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया जाता है।

- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनी सोशल मीडिया समेत फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।

<u>प्रकाशन</u>

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 22 – दिसंबर 2022	जनवरी 23	कुल	अप्रैल 22 – दिसंबर 2022	जनवरी 23	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	141	25	**166**	19	2	**21**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	69	6	**75**	5	1	**6**
ध्रुवीय विज्ञान	21	3	**24**	-	-	**-**
भूविज्ञान एवं संसाधन	44	9	**53**	1	-	**1**
कुल	**275**	**43**	**318**	**25**	**3**	**28**

<u>पेटेन्ट:</u> 1

<u>माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग</u>

पोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	24	7	3
सागर मंजूषा	20	11	1
सागर तारा	22	9	2
सागर अन्वेषिका	20	11	2
सागर कन्या	0	31	0
सागर सम्पदा	0	31	0

अनुलग्नक II

सं. एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003

दिनांक: 10 फरवरी, 2023

प्रमाण पत्र

(माह जनवरी 2023 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति जनवरी, 2023 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-12
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-00
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-00

(धरकत आर. लुइकेंग)
अवर सचिव
dharkat@nic.in